प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
पन्तनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

किसान चौपाल का आयोजन

पन्तनगर। 29 नवम्बर 2023। विश्वविद्यालय में केन्द्रीय गोवंश अनुसंधान संस्थान, मेरठ द्वारा संचालित अखिल भारतीय पशु शोध समन्वित परियोजना–फ्रिजवाल द्वारा ग्राम हरिपुरा जबरान, कृत्रिम गर्भाधान केन्द्र–बाजपुर में पशुपालकों एवं वैज्ञानिकों के बीच किसान चौपाल का आज आयोजन किया गया। किसान चौपाल का उद्घाटन, डा. बृजेश सिंह परियोजना अधिकारी द्वारा किया गया। परियोजना अधिकारी द्वारा सभी पशुपालकों एवं परियोजना टीम के सदस्यों के उत्साहवर्धन करने के साथ–साथ परियोजना के उद्देश्य एवं इससे पशुपालकों को मिलने वाले लाभों पर प्रकाश डाला गया। सह–परियोजना अधिकारी डा. शिव प्रसाद द्वारा पशुओं की प्रजनन सम्बन्धित समस्याओं एवं डा. रिपुसुदन द्वारा पशु पोषण सम्बन्धित समस्याओं के समाधान के साथ–साथ पशुपालन के सभी तकनीकी आयामों को अपनाकर उन्नत पशुपालन करने की जानकारी दी गयी। किसान चौपाल में पशुपालकों का पंजीकरण कुमारी अराधना फुलार एवं सामग्री वितरण व धन्यवाद प्रस्ताव श्री शिवांशु तिवारी द्वारा किया गया। किसान चौपाल में कुल 35 पशुपालकों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

इसी क्रम में दिनांक 28.11.2023 को विश्वविद्यालय में केन्द्रीय गोवंश अनुसंधान संस्थान, मेरठ द्वारा संचालित अखिल भारतीय पशु शोध समन्वित परियोजना–फ्रिजवाल द्वारा ग्राम पैरपुरा, कृत्रिम गर्भाधान केन्द्र–सितारगंज व बहूनागर, कृत्रिम गर्भाधान केन्द्र–बरा में पशुपालकों एवं वैज्ञानिकों के बीच किसान चौपाल का आयोजन किया गया। किसान चौपाल का उद्घाटन, डा. बृजेश सिंह परियोजना अधिकारी द्वारा किया गया। परियोजना अधिकारी द्वारा सभी पशुपालकों एवं परियोजना टीम के सदस्यों के उत्साहवर्धन करने के साथ–साथ पशु प्रबन्धन के मुख्य बिन्दुओं पर प्रकाश डाला एवं पशुपालन के सभी तकनीकी पहलुओं पर चर्चा की। किसान चौपाल के दौरान सह–परियोजना अधिकारी डा. शिव प्रसाद एवं डा. संजय चौधरी द्वारा पशुपालकों की समस्याओं के समाधान के साथ–साथ पशुपालन के सभी तकनीकी आयामों को अपनाकर उन्नत पशुपालन करने की जानकारी दी गयी। किसान चौपाल में पशुपालकों का पंजीकरण, सामग्री वितरण एवं धन्यवाद प्रस्ताव श्री शिवांशु तिवारी द्वारा किया गया। किसान चौपाल में कुल 64 पशुपालकों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

किसान चौपाल में पशुपालकों को परियोजना के बारे में बताते वैज्ञानिक।

किसान चौपाल में पशुपालकों के साथ वैज्ञानिक एवं अन्य।

निदेशक संचार